॥ अथ श्री महाभारत कथा ॥

Chalisamantras.com

अथ श्री महाभारत कथा,
महाभारत कथा ।
कर्मण्येवाधिकारस्ते,
मा फलेषु कदाचन,
मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा,
ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि ।

महाभारत.. महाभारत.. महाभारत..
आ.. आ.. आ..
अथ श्री महाभारत कथा,
अथ श्री महाभारत कथा,
महाभारत कथा,
महाभारत कथा ।

कथा है पुरुषार्थ की ये,
स्वार्थ की परमार्थ की,
सारथि जिसके बने,
श्री कृष्ण महारत पार्थ की,
शब्द दिग्घोषित हुआ जब,
सत्य सार्थक सर्वथा,
शब्द दिग्घोषित हुआ ।

यदा यदा ही धर्मस्य
ग्लानिर्भवति भारत
अभ्युथानम् अधर्मस्य
तदात्मानं सृजाम्यहम् ।

परित्राणाय साधूनां
विनाशाय च दुष्कृताम
धर्म संस्थापनार्थाय
संभवामि युगे युगे ।

Chalisamantras.com

भारत की है कहानी,
सदियो से भी पुरानी,
है ज्ञान की ये गंगा,
ऋषियो की अमर वाणी ।
ये विश्व भारती है,
वीरो की आरती है,
है नित नयी पुरानी,
भारत की ये कहानी ।
महाभारत.. महाभारत.. महाभारत..

वचन दिया सोचा नही,
होगा क्या परिणाम,
सोच समझ कर कीजिये,
जीवन में हर काम ।
आस कह रही श्वास से,
धीरज धरना सीख,
मांगे मिले मोती ना,
मांगे मिले ना भीख ।
सीखे हम बीते युगो से,
नए युग का करे स्वागत,
करे स्वागत, करे स्वागत, करे स्वागत ।

Chalisamantras.com